

सरोज पुं. (तत्.) 1. कमल 2. एक प्रकार का छंद या वृत्त 3. जलाशय से उत्पन्न।

सरोजना स.क्रि. (देश.) प्राप्त करना, पाना।

सरोज मुख वि. (तत्.) कमल के समान सुंदर मुख वाला।

सरोजराग पुं. (तत्.) पद्मराग नामक एक रत्न।

सरोजिनी स्त्री. (तत्.) 1. कमलों से भरा हुआ ताल 2. सरोवर में खिले कमलों का समूह, कमलवन 3. कमल।

सरोजी वि. (तत्.) 1. कमल से संबंधित, कमल का, कमल जैसा 2. वह स्थान जो कमलों से परिपूर्ण हो 3. कमलों से युक्त पुं. 1. ब्रह्मा 2. गौतम बुद्ध का एक नाम।

सरोट स्त्री. (देश.) कपड़े आदि की सिलवट।

सरोत पुं. (तद्.) श्रोत, कान, श्रवण।

सरोता पुं. (तद्.) 1. श्रोता 2. सरोता, सुपाड़ी आदि काटने का कैंचीनुमा एक यंत्र।

सरोत्सव पुं. (तत्.) 1. बक, बगुला पक्षी 2. सारस।

सरोद पुं. (फा.) 1. वीणा की तरह का एक प्रकार का वाद्य-यंत्र 2. नाच-गान।

सरोधा पुं. (तद्.) स्वरोदय।

सरोरुह पुं. (तत्.) सरोवर में उत्पन्न अर्थात् कमल।

सरोवर पुं. (तत्.) तालाब, ताल, झील, सर।

सरोष वि. (तत्.) रोष या क्रोध से युक्त, क्रोधित, कुपित।

सरोसामान पुं. (फा.) सामग्री, माल-असबाब।

सरोहा पुं. (तत्.) एक प्रकार की मिठाई।

सरोही स्त्री. (देश.) 1. सरोही, राजपूताने का एक नगर जहां की बनी तलवार बहुत ही लचीली और बढ़िया होती है 2. उक्त नगर में बनी तलवार 3. काले रंग की एक चिड़िया जिसकी चोंच और पंजे लाल रंग के होते हैं।

सरौ पुं. (देश.) 1. कटोरी, प्याली 2. ढकना, ढक्कन 3. सरो (वृक्ष)।

सरौता पुं. (तद्.) 1. सार (लोहा), यंत्र, सारयंत्र कैंची की तरह का एक उपकरण जो सुपारी काटने के काम आता है 2. लकड़ी में जड़ा एक उपकरण जो कच्चे आम आदि काटने के काम आता है।

सर्क पुं. (तत्.) 1. मन, चित्त 2. वायु, हवा। 3. एक प्रजापति का नाम।

सर्कस पुं. (अं.) 1. वह स्थान जहां जानवरों का खेल दिखाया जाता है 2. वह बड़ी मंडली जिसके कर्मचारी अपने तथा पशुओं के अनोखे तथा साहसपूर्ण खेल दिखलाते हैं 3. ऐसे खेलों का प्रदर्शन 4. अखाड़ा, चौक। circus

सर्का पुं. (अर.) चोरी।

सर्किट पुं. (अं.) 1. परिधि, क्षेत्र, मण्डल 2. परिक्रमा, चक्कर 3. परिपथ, जैसे विद्युत परिपथ जहां से होकर बिजली का करंट चलता है

सर्किल पुं. (अं.) 1. वृत्त, घेरा, मंडल 2. किसी प्रदेश का छोटा खंड या विभाग ला.अर्थ. 3. समाज, वर्ग, गुट।

सर्कुलर पुं. (अं.) परिपत्र, गश्ती चिट्ठी, सरकारी पत्र जो सूचना परक और आदेशात्मक हो सकता है।

सर्ग पुं. (तत्.) 1. चलना या आगे बढ़ना, गमन 2. गति, चाल 3. बहाव, प्रवाह 4. अस्त्र आदि चलाना, छोड़ना या फेंकना 5. चलाया गया या छोड़ा गया अस्त्र 6. उत्पत्ति या उद्गम स्थान 7. जगत, संसार 8. जीव, प्राणी 9. संतान, औलाद 10. प्रकृति, स्वभाव, आदत 11. प्रवृत्ति, रुझान, झुकाव 12. प्रयत्न, कोशिश, चेष्टा 13. संकल्प, दृढ़, विचार 14. बेहोशी, मूर्छा 15. किसी ग्रंथ का अध्याय, प्रकरण 16. शिव का एक नाम 17. आकाश।

सर्गक वि. (तत्.) जन्मदाता, उत्पादक।

सर्ग-पताली वि. (तद्.) स्वर्ग और पाताल, "जिह्वा ऐसी बावरी कह गई सरग-पताल"-कबीर

सर्ग पुट पुं. (तत्.) संगीत में शुद्ध राग का एक भेद।

सर्ग बंध पुं. (तत्.) जो कई सर्गों या अध्यायों में बंटा हो ऐसा ग्रंथ जैसे- सर्ग बंध काव्य।